दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 31.05.2024

प्रकाशनार्थ

दिनांक 31.05.2024 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर एवं ''मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी' द्वारा संचालित साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ'' के संयुक्त तत्वाधान में 29 से 31 मई तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ''एडवांस इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च (ICAIR-2024)'' के तीसरे दिन समापन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ नेहा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक वायरोलॉजी लैब, पं.जे.एन मेडिकल कॉलेज, छत्तीसगढ़ रायपुर ने विषय ''वायरस और उनके कारण होने वाली बीमारियां'' पर बोलते हुए कहा की प्रयोगशाला में, वायरस ने सेलुलर तंत्र को बेहतर ढंग से समझने के लिए उपयोगी उपकरण के रूप में काम किया है। वायरस की पहचान और अध्ययन में उपयोग की जाने वाली प्रयोगशाला तकनीकें। जैविक नमूनों में वायरस और वायरस घटकों का पता लगाने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली प्रयोगशाला विधियों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है – वे जो वायरस की संक्रामकता को मापते हैं, वे जो वायरल सीरोलॉजी की जांच करते हैं। और वे जो आणविक तरीकों पर भरोसा करते हैं। एक विधि जो इनमें से किसी भी श्रेणी में सटीक रूप से फिट नहीं बैठती है, वह है वायरस कणों को सीधे देखने के लिए इमेजिंग तकनीक का उपयोग। वायरस के अध्ययन के तरीके अलगाव और खेती, ऊतक संस्कृति, पता लगाना, पहचान और हैं। निदान, ऊतक संवर्धन विधियां, साइटोपैथिक प्रभाव।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ एस.के सिंह, सचिव साइंस टेक इंस्टीट्यूट ने कॉन्फ्रेंस के दौरान बेहतरीन पेपर प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की, जिसमें महाविद्यालय के 6 शिक्षक धर्मचंद विश्वकर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान, इंद्रेश पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, धीरज सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास, डॉ. राम प्रसाद यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, सैन्य विज्ञान, डॉ पवन कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान एवं डॉ शैलेश सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर ,राजनीति विज्ञान को बेस्ट फैकल्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रो परीक्षित सिंह, कॉर्डिनेटर आईक्यूएसी, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने तीन दिनों तक चलने कॉन्फ्रेंस का सारांश प्रस्तुत करते हुए कहा की ये कॉन्फ्रेंस विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के शैक्षणिक उन्नयन हेतु प्रतिवर्ष आयोजित होता है जिसमें भारत से ही नहीं भारत के बाहर से भी शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत शिक्षक जुड़ते हैं।

प्रो ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य दिग्विजय नाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति सहित सभी को बधाई दी।

डॉ. डी.के. यादव, सहायक आचार्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य मंत्रालय, नई दिल्ली ने सभी के प्रति आभार ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता सिंह (अध्यक्ष, एम.के.यस एजुकेशनल सोसाइटी लखनऊ, यूपी), डॉ. सुशील कुमार सिंह (सह–संयोजक, साइंस टेक इंस्टीट्यूट, एम.के.एस.ई.एस एजुकेशनल सोसाइटी लखनऊ महाविद्यालय के शिक्षक डॉ धीरज सिंह, डॉ धर्मचंद विश्वकर्मा, डॉ. राम प्रसाद यादव, डॉ. नित्यानंद श्रीवास्तव, डॉ इंद्रेश पाण्डेय, डॉ. पवन पांडेय सहित भारत एवं अन्य देशों से लगभग 186 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

उक्त कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क